



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)

PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 1747]

नई दिल्ली, मंगलवार, अगस्त 18, 2015/श्रावण 27, 1937

No. 1747]

NEW DELHI, TUESDAY, AUGUST 18, 2015/SRAVANA 27, 1937

पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय

अधिसूचना

नई दिल्ली, 13 अगस्त, 2015

का.आ. 2248(अ).—केन्द्रीय सरकार ने पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 3 की उप-धारा (1) के अधीन जारी की गई भारत सरकार के पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय की अधिसूचना संख्या का.आ. 2309(अ) तारीख 08.09.2014, जो भारत के असाधारण राजपत्र तारीख 11.09.2014, में प्रकाशित की गई थी, द्वारा उस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमि में मल्लावरम्-भोपाल-भीलवाड़ा-विजयपुर गैस पाइप लाइन नेटवर्क परियोजना के अन्तर्गत परेवा से बिल्डई (बीना स्पर लाइन) तक प्राकृतिक गैस के परिवहन के लिए मध्य प्रदेश राज्य में जीएसपीएल इण्डिया ट्रान्सको लिमिटेड द्वारा पाइपलाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए उपयोग के अधिकार का अर्जन करने के अपने आशय की घोषणा की थी;

और उक्त असाधारण राजपत्र अधिसूचना की प्रतियां जनता को तारीख 14.10.2014 तक उपलब्ध करा दी गई थी;

और सक्षम प्राधिकारी ने, उक्त अधिनियम की धारा 6 की उप-धारा (1) के अधीन केन्द्रीय सरकार को रिपोर्ट दे दी है;

और केन्द्रीय सरकार ने, उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात्, और यह समाधान हो जाने पर कि उक्त भूमि पाइपलाइन बिछाने के लिए अपेक्षित है, उसमें उपयोग के अधिकार का अर्जन करने का विनिश्चय किया है;

अतः अब, केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 6 की उप-धारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, यह घोषणा करती है कि इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमि में पाइपलाइन बिछाने के लिए उपयोग के अधिकार का अर्जन किया जाए;

और केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम की धारा 6 की उप-धारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, यह निर्देश देती है कि उक्त भूमि में उपयोग का अधिकार इस घोषणा के प्रकाशन की तारीख से केन्द्रीय सरकार में निहित होने के बजाए, सभी विल्लंगमों से मुक्त होकर जीएसपीएल इण्डिया ट्रान्सको लिमिटेड में निहित होगा।

पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन अधिनियम, 1962 की धारा 10 के अध्वधीन किसी भी क्षतिपूर्ति के लिए जीएसपीएल इण्डिया ट्रान्सको लिमिटेड पूर्णतया उत्तरदायी होगी और पाइपलाइन से सम्बन्धित किसी भी मामले पर केन्द्रीय सरकार के विरुद्ध कोई वाद, दावा या कानूनी कार्यवाही नहीं हो सकेगी।

एडी 6(1) अनुसूची

तहसील : कुरवाई		जिला : विदिशा	राज्य : मध्य प्रदेश		
क्रम सं.	ग्राम का नाम	सर्वे नं./ब्लाक नं.	क्षेत्रफल		
			हेक्टेयर	एयर	वर्ग मीटर
1	2	3	4	5	6
1	करई बेरखेड़ी	118/2	00	08	51
		118/6	00	07	25
		114/7/1	00	16	45
		122/1/2	00	14	80
		117	00	34	61
		154	00	03	16
		123	00	47	00
		125	00	30	80
		124	00	02	48
		167/2	00	25	54
		250	00	01	86
		268	00	19	02
		269	00	02	51
		338	00	73	18
		388	00	32	78
		378	00	03	67

[फा. सं. एल 14014/3/2013—जीपी]

श्रीप्रकाश अग्रवाल, अवर सचिव

MINISTRY OF PETROLEUM AND NATURAL GAS

NOTIFICATION

New Delhi, the 13th August, 2014

S.O. 2248(E).—Whereas by a notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum and Natural Gas S.O. No 2309 (E) Dated 08 Sep 2014, issued under sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), (hereinafter referred to as the said Act), published in the Extraordinary Gazette of India dated the 11 Sep 2014, the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the land specified in the Schedule appended to that notification for the purpose of laying pipeline in the State of Madhya Pradesh for transportation of natural gas from Parewa to Bildhai (Bina spur line) under Mallavaram-Bhopal-Bhilwada-Vijaypur Gas Pipe line Project by GSPL India Transco Limited;

And whereas copies of the said Extraordinary Gazette notification were made available to the public up to 14.10.2014;

And whereas the Competent Authority has under sub-section (1) of Section 6 of the said Act submitted report to the Central Government;

And whereas the Central Government, after considering the said report and on being satisfied that the said land is required for laying the pipeline, has decided to acquire right of user therein;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the land specified in the Schedule appended to this notification is hereby acquired for laying the pipeline;

And further, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of Section 6 of the said Act, the Central Government hereby directs that the right of user in the said land for laying the pipeline shall, instead of vesting in the Central Government, vest on the date of publication of the declaration, in GSPL India Transco Limited, free from all encumbrances.

GSPL India Transco Limited shall be exclusively liable for any compensation in terms of Section 10 of the P&MP Act, 1962 and no suit, claim or legal proceeding would lie against the Central Government on any matter relating to the pipeline.

Add 6(1) SCHEDULE

TEHSIL : KURWAI		DISTRICT : VIDISHA		STATE : MADHYA PRADESH	
Sr. No.	Name of Village	Khasara No.	Area		
			Hectare	Are	Sq.mtr.
1	2	3	4	5	6
1	KARAI BERKHEDI	118/2	00	08	51
		118/6	00	07	25
		114/7/1	00	16	45
		122/1/2	00	14	80
		117	00	34	61
		154	00	03	16
		123	00	47	00
		125	00	30	80
		124	00	02	48
		167/2	00	25	54
		250	00	01	86
		268	00	19	02
		269	00	02	51
		338	00	73	18
		388	00	32	78
378	00	03	67		

[F. No. L-14014 /3/ 2013-GP]
S. P. AGARWAL, Under Secy.